नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में प्रो. गंगा प्रसाद विमल को श्रद्धांजलि

वर्धा, दि. 26 दिसंबर 2019 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गुरुवार 26 दिसंबर को प्रशासनिक भवन में प्रसिद्ध साहित्यकार तथा विश्वविद्यालय की कार्य-परिषद के सम्माननीय पूर्व सदस्य प्रो. गंगा प्रसाद विमल को कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रो. गंगा प्रसाद विमल का बुधवार 25 दिसंबर को श्रीलंका में एक सड़क हादसे में निधन हुआ। प्रो. विमल विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के साथ-

साथ विद्या परिषद और अध्ययन मंडल के सदस्य में रूप में 12 वर्ष तक विश्वविद्यालय के साथ जुड़े रहे।

शोक सभा में प्रो.कृष्ण कुमार सिंह ने प्रो. विमल की रचनाओं पर प्रकाश ड़ालते हुए कहा कि उनका निधन साहित्य क्षेत्र के लिए बहुत क्षति है। प्रतिकुलपति प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल ने शोक प्रस्ताव का वाचन किया। प्रो. विमल को दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी।

डॉ. रामानुज अस्थाना ने कहा कि प्रो. गंगा प्रसाद विमल हिंदी साहित्य में अकहानी आंदोलन के जनक के रूप में जाने जाते हैं। इसके अलावा विख्यात कवि, कथाकार, उपन्यासकार, अनुवादक के रूप में दुनियाभर में इन्हें ख्याति प्राप्त है। कई सरकारी सेवाओं से जुड़े रहकर, बहुमुखी प्रतिभा से संपन्न इनका व्यक्तित्व बेहद विशाल है। इन्हें अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में 1939 को जन्मे प्रो. विमल ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली में केंद्रीय हिंदी निदेशालय के शिक्षा

विभाग में निदेशक के रूप में कार्य किया। उन्होंने शब्दकोशों से संबंधित योजनाओं, भाषा ज्ञान संबंधी सामग्री तथा भारतीय भाषा संबंधी नीतियों को जारी करने वाली सरकारी संस्थाओं एवं समितियों में भी कार्य किया।

शोक सभा में प्रतिकुलपति प्रो. चंद्रकांत रागीट समेत अध्यापक, अधिकारी, कर्मी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।